

B.A. SEM-I HONOURS (CBCS) EXAMINATION, 2020

Subject : Sanskrit (Honours)

Paper : CC-1

Time : 3 hours

Full Marks : 60

The figures in the right hand margin indicate full marks.

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

1. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु षट् समाधेयाः। तेषु उत्तरद्वयम् अवश्यमेव संस्कृतभाषया समाधेयम्।

(निम्नलिखित प्रश्नগুলির মধ্যে ছটি প্রশ্নের উত্তর দাও। দুটির উত্তর অবশ্যই সংস্কৃতভাষায় লিখতে হবে।)

5×6=30

a. বঙ্গভাষয়া অনুবাদঃ কার্যঃ —
(বাংলা ভাষায় অনুবাদ কর) —
রক্ষাবধাত্তো ন চ মে প্রয়াসো
ব্যর্থঃ স বৈরপ্রতিমোচনায়।
অমর্ষণঃ শোণিতকাঙ্ক্ষয়া কিং
পদা স্পৃশন্তং দশতি দ্বিজিহুঃ ॥

5. b. বঙ্গভাষয়া অনুবাদঃ কার্যঃ —
(বাংলা ভাষায় অনুবাদ কর)
স কিংসখা সাধু ন শাস্তি যোহধিপং
হিতান্ন যঃ সংশৃণুতে স কিংপ্রভুঃ।
সদানুকুলেষু হি কুর্বতে রতিং
নুপেহ্নমাত্যেষু চ সর্বসম্পদঃ ॥

c. सप्रसङ्गं व्याख्या कार्या—
(প্রসঙ্গসহ ব্যাখ্যা কর)
উপস্থিতাং পূর্বমপাস্য লক্ষ্মীং
বনং ময়া সার্থমসি প্রপন্নঃ।
তদাস্পদং প্রাপ্য তয়াতিরোষাৎ
সোঢ়াম্মি ন তদ্ভবনে বসন্তী ॥

d. सप्रसङ्गं व्याख्या कार्या—
(প্রসঙ্গসহ ব্যাখ্যা কর)
প্রলীনভূপালমপি স্থিরায়তি
প্রশাসদাবারিধি মণ্ডলং ভুবঃ।

स चिन्तयत्येव भियन्तुदेयती
रहो दुरन्ता बलबद्धिरोधिता ॥

- e. भावसम्प्रसारणं कुरुत—
(भावसम्प्रसारणं कर-)
“आज्जा गुरुणां ह्यविचारणीया”।
- f. भावसम्प्रसारणं करणीयम्
(भावसम्प्रसारणं कर।)
“वरं विरोधोऽपि समं महाशक्तिः”।
- g. टीका लेखनीया-श्रीहर्षः।
(टीका लेख-श्रीहर्ष।)
- h. शिशुपालवधमिति महाकाव्यस्य विषयवस्तु संक्षेपत आलोचनीयम्
(शिशुपालवध महाकाव्ये विषयवस्तु संक्षेपे आलोचना कर।)

2. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु त्रयाणां प्रश्नाणाम् उत्तरं प्रदीयताम् (निम्नलिखित प्रश्नগুলির মধ্যে তিনটি প্রশ্নের উত্তর দাও।) 10×3=30

- a. विसर्जनकाले सीतालक्ष्मणसंबादम् अवलम्ब्य सीतायाः चरित्रचित्रणं क्रियताम्।
(विसर्जनकाले सीता ओ लक्ष्मणेर कथोपकथन अवलम्बने सीतार चरित्रचित्रण कर।)
- b. तव पाठ्यविषयमाश्रित्य नृपतिरूपेण पतिरूपेण च रामचन्द्रस्य चरित्रचित्रणं क्रियताम्।
(तेमार पाठ्य विषय अवलम्बन करे नृपतिरूपे ओ पतिरूपे रामचन्द्रेर चरित्र चित्रण कर।)
- c. किराताजुनीयमिति महाकाव्यस्य प्रथमसर्गम् अवलम्ब्य-‘भारवेरथगौरवम्’ इत्युक्तेः सार्थकतां प्रतिपादयताम्।
(किराताजुनीय महाकाव्ये प्रथमसर्ग अवलम्बने ‘भारवेरथगौरवम्’ एइ उक्तिर सार्थकता प्रतिपादन कर।)
- d. कालिदासस्य काव्येषु प्रकृतेः यं सौन्दर्यं चित्रितं तद् वर्णयताम्।
(कालिदासेर काव्यसमूहे प्रकृतिर ये सौन्दर्य चित्रित हयेछे ता वर्णना कर।)
- e. अश्वघोषस्य जीवनं काव्यकृतिश्च आलोचयताम्।
(अश्वघोषेर जीवन ओ काव्यकृति आलोचना कर।)